



<p>तारीख हुक्म</p>	<p>हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज शैरसिंह V/S जसमत</p>
<p>13⁹/₂₅</p> <p>न्यायाधीश के कार पर प्रस्तुत करने के अनुमति के लिये वाद पत्र <u>समस्त</u> किया <u>जिस्ट</u></p>	<p>आज पत्रावली राष्ट्रीय लोक अदालत में पेश हुई। बलील वादी ने निर्वेदन किया है कि इस वाद में तृतीया उमी के कारण क्या वाद प्रस्तुत करने की अनुमति है साथ दया नोटिस में स्वार्जि फरमाया जावे।</p> <p>बलील वादी की सुना गया। पत्रावली समस्त किया गया। वादी की क्या वाद प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाकर दया नोटिस में स्वार्जि किया जाता है। पत्रावली के लिये अमाय हीरर - दारिदर फरर है।</p> <p> ज. स. सिंह राज अदालत बालुका विधिक न्यायाधीश (अदालत नगर)</p> <p> ज. स. सिंह राज अदालत बालुका विधिक न्यायाधीश (अदालत नगर)</p>